‘भारतगैप’ मानक औपचारिक रूप से-जारी

भारतीय मानक ब्यूरो ने 'उत्तम कृषि व्यवहार रीतियों की अपेक्षाएँ - भारतगैप - फसल आधारित' विषय पर एक भारतीय मानक (आईएस 15930 (भाग 1) : 2010) प्रकाशित किया है। यह भारतीय मानक 29 जून 2011 को भारतीय मानक ब्यूरो, मुख्यालय, नई दिल्ली में डॉ. एस. अय्यप्पन, सचिव (कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग) एवं महानिदेशक (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) द्वारा औपचारिक रूप से जारी किया गया। इस अवसर पर श्री पी. के. गम्भीर, वैज्ञानिक 'जी' एवं प्रमुख (मानकीकरण), भारतीय मानक ब्यूरो भी उपस्थित थे।

भारतीय मानक ब्यूरो की पहल की सराहना करते हुए डॉ. एस. अय्यप्पन ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण मानक है जो देश में किसानों के बीच समरूप उत्तम कृषि व्यवहार रीतियों के अंगीकरण में मदद करेगा जिससे खाद्य सुरक्षा एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य / सुरक्षा / कल्याण सुनिश्चित होंगे तथा कृषि रीतियाँ पर्यावरण के अनुकूल बनेंगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस मानक के प्रकाशन के साथ, अब सभी संबंधित पक्षों का ध्यान उत्तम कृषि व्यवहार रीतियों से संबंधित अपेक्षाएँ विकसित करने से हट कर भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा विकसित राष्ट्रीय मानक में दी गई अपेक्षाओं के कार्यान्वयन पर केंद्रित होगा।

श्री पी. के. गम्भीर ने कहा कि कृषि उत्पाद के वैश्विक व्यापार के परिप्रेक्ष्य में, भारत में फसल आधारित कृषि व्यवहार रीतियों के मानकीकरण के लिये विकसित इस मानक को सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय रीतियों को ध्यान में रखकर और भारतीय किसान की जरूरत के अनुरूप तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से निकट

सहयोग की अपेक्षा है ताकि इस राष्ट्रीय मानक के कार्यान्वयन के दौरान और प्रमाणीकरण प्रक्रिया के संचालन में उनकी विशेषज्ञता का उपयोग किया जा सके।

इस मानक में फसलों के उत्पादकों (व्यक्तिगत उत्पादकों और/ या एक उत्पादक समूह के सदस्यों) द्वारा पालन किये जाने हेतु नियंत्रण बिंदु और अनुपालन मापदंड समाविष्ट हैं। यह मानक प्रत्यक्षतः मानव उपभोग हेतु अथवा आगे प्रसंस्करण हेतु अथवा मानव उपभोग के लिए खाद्य उत्पादन करने वाले पशुओं के लिए आहार हेतु ताजा रूप में निम्नलिखित उत्पादों को समाविष्ट करता है:

क) फल एवं सब्जियाँ;
ख) खाद्यान्न;
ग) बागानी फसलें;
घ) मसाले (स्पाइसेस एवं कान्डीमेन्ट), तथा
ङ) तिलहन (ऑयलसीड एवं नट्स)

FORMAL RELEASE OF IndiaGAP STANDARD

Bureau of Indian Standards has published an Indian Standard on Requirements for Good Agricultural Practices – IndiaGAP – Crop base (IS 15930 (Part 1) : 2010). This Indian Standard was formally released by Dr. S. Ayyappan, Secretary (DARE) and Director General (ICAR) on 29th June 2011 at BIS Headquarters, New Delhi. Shri P. K. Gambhir, Scientist 'G' and Chief (Standardization), BIS was also present on this occasion.

Appreciating the initiative of BIS, Dr. S. Ayyappan mentioned that this was an important standard which would help in adoption of uniform Good Agricultural Practices among the farmers in the country thereby ensuring food safety, occupational health/safety/welfare and making farming practices environment friendly. He hoped that with the publication of this standard, now the focus of all concerned would shift from the process of development of Good Agricultural Practices related requirements to the implementation of such requirements given in the national standard developed by BIS.

Shri P. K. Gambhir mentioned that keeping global trade of agricultural produce in perspective, this standard has been formulated to standardize crop based agricultural practices in India keeping in mind the best of international practices and suiting the needs of the Indian farmer. He said that BIS was looking forward to have close cooperation

with ICAR to utilize their expertise during the implementation of this national standard and in operation of the certification process.

This standard covers the control points and compliance criteria necessary to be followed by the producers (individual growers and/or members of a grower group) of crops. This standard covers the following products in fresh form for direct human consumption or for further processing or for feed for animals producing food for human consumption:

a) Fruits and vegetables;
b) Food grains;
c) Plantation crops;
d) Spices and condiments; and
e) Oilseeds and nuts.